“मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक स्वरूप”

कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय की पी.एच.डी हिंदी उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध प्रस्ताव की रूपरेखा

सत्र

2021-22

Ph.D Registration No: KSAWUV/Ph.D519/2020-21

शोधार्थी

श्रीमती राठोड लता

शोध - निर्देशक

डॉ. राठोड गुलाब सोमा

सहायक प्राध्यापक

विभागाध्यक्ष

डॉ. नामदेव एम. गौडा

प्रोफेसर

हिंदी विभाग

कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय,

विजयपुर - 586108

रूपरेखा

"मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक स्वरूप"

प्रथम अध्याय : साहित्य और समाज का अंतः संबंध

1.0 प्रस्तावना

1.1 साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

1.2 समाज का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

1.3 साहित्य और समाज का अंतः संबंध

द्वितीय अध्याय : समकालीन महिला कथा-लेखन में मन्नू भंडारी का योगदान

2.0 प्रस्तावना

2.1 'समकालीन'' अवधारणा का स्वरूप

2.2 हिंदी महिला कथा-लेखन की परंपरा

2.2.1 प्रारंभकालीन कथा-साहित्य

2.2.2 विकासकालीन कथा-साहित्य

2.2.3 समकालीन महिला कथा-साहित्य

2.3 मन्नू भंडारी की समकालीन प्रमुख महिला कथाकार

2.3.1 उषा प्रियंवदा

2.3.2 नासीरा शर्मा

2.3.3 चित्रा मुदगल

2.3.4 मृदुला गर्ग

2.3.5 ममता कालिया

2.3.6 सूर्यबाला

2.3.7 मैत्रेयी पुष्पा

2.3.8 सुधा अरोडा

2.3.9 मृणाल पांडे

2.3.10 मेहरुन्नीसा परवेज

2.4 समकालीन महिला कथा-लेखन में मन्नू भंडारी का योगदान

तृतीय अध्याय : मन्नू भंडारी के उपन्यासों के विविध आयाम

3.0 प्रस्तावना

3.1 सामाजिक चित्रण

3.2 धार्मिक चित्रण

3.3 राजनीतिक चित्रण

3.4 सांस्कृतिक चित्रण

3.5 आर्थिक चित्रण

चतुर्थ अध्याय : मन्नू भंडारी के कहानियों के विविध आयाम

4.0 प्रस्तावना

4.1 सामाजिक चित्रण

4.2 धार्मिक चित्रण

4.3 राजनीतिक चित्रण

4.4 सांस्कृतिक चित्रण

4.5 आर्थिक चित्रण

पंचम अध्याय : मन्नू भंडारी के कथा-साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक स्वरूप

5.0 प्रस्तावना

5.1 मन्नू भम्डारी के उपन्यासों में अभिव्यक्त सामाजिक स्वरूप

5.2 मन्नू भंडारी के कहानियों में अभिव्यक्त सामाजिक स्वरूप

षष्ठ अध्याय : मन्नू भंडारी के कथा साहित्य में भाषा एवं शिल्प

6.0 प्रस्तावना

6.1 शिल्प एवं शिल्प की परिभाषा तथा स्वरूप

6.2 मन्नू भंडारी के उपन्यास साहित्य में भाषा एवं शिल्प

6.3मन्नू भंडारी के कहानी-साहित्य में भाषा एवं शिल्प

उपसंहार

- संदर्भ ग्रंथसूची
- आधार ग्रंथ
- सहायक ग्रंथ